एनएमआरसी की बोर्ड बैठक में निर्णय लिया, नोएडा के चारों तरफ मेट्रो का जाल बिछेगा

सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन मेट्रो की डीपीआर मंजूर

अच्छी खबर 1

नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन तक बनने वाली मेट्रो लाइन की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) को मंजूरी मिल गई। बुधवार को नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) की हुई बोर्ड बैठक में इसे मंजूरी दी गई। इस लाइन पर आठ एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे।

अब इस डीपीआर को मंजूरी के लिए नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इसके बाद मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। इससे नोएडा के चारों तरफ मेट्रो का जाल बिछ जाएगा। सेक्टर-29 गंगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दफ्तर में बुधवार को एनएमआरसी की 38 वीं बोर्ड बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जयदीप (कार्यवाहक महानिदेशक, आईयूटी और ओएसडी (यूटी) और पदेन संयुक्त सचिव, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार) ने की। एनएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि इस रूट की लंबाई 11.56 किलोमीटर है। लाइन पर मेट्रो चलाने में 2254 करोड़ 35 लाख की लागत का अनुमान है।

पहले चरण में 80 हजार लोगों को फायदा होने की उम्मीद

इस रूट पर मेट्रो चलने के पहले चरण में करीब 80 हजार राइडरशिप रहने की उम्मीद है। इससे सेक्टर-44, 45, 97, 99, 100, 104, 105, 108 और 93 के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ करीब दो दर्जन से अधिक सेक्टर, सोसाइटी व गांव में रहने वाले भी इस मेट्रो लाइन का फायदा उठा सकेंगे।

> सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक मेट्रो लाइन की डीपीआर को बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। अब आगे की प्रक्रियाओं को पूरा कराया जाएगा।
>
> -डॉ. लोकेश एम, प्रबंध निदेशक, एनएमआरसी

एयरपोर्ट से परी चौक तक लाइट रेल चलाने की तैयारी

2

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर और परी चौक के बीच लाइट रेल चलाई जाएगी। फिजबिलिटी रिपोर्ट इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी बनाएगी। कंपनी दो महीने में रिपोर्ट सौंप देगी। इसके बाद यह तय किया जाएगा कि वहां पर पॉड टैक्सी और लाइट रेल में से क्या मुफीद रहेगा।

हालांकि पॉड टैक्सी परियोजना की अपेक्षा लाइट रेल में अधिक पैसा खर्च होगा। जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को लेकर लगातार प्रयास चल रहे हैं। अभी विकल्प तय किए जा रहे हैं। पिछले दिनों लखनऊ में पॉड टैक्सी परियोजना को लेकर बैठक हुई। पीपीपी मॉडल वाली परियोजना को लेकर शासन स्तर पर फैसला होता है। इसमें यमुना प्राधिकरण से कहा गया कि पहले वह लाइट रेल की फिजबिलिटी रिपोर्ट तैयार करवाएं।